आधी आबादी

हर सन्डे वूमेन्स डे

संस्करण – रविवार, 05 मई 2024, अंक – 52

विशेष संपादकीय

आधी आबादी संडे के एक बरस पूरे, आप सभी पाठकों का आभार!

– दिनेश के सिंह

पिछले कई बरसों से आधी आबादी मासिक पत्रिका को आप सभी पाठकों ने लगातार अपना प्यार और समर्थन दिया है। इसी भरोसे को आधार बनाकर हमने महिलाओं के हक़ और अधिकार के मुद्दे को आगे बढ़ाते हुए आधी आबादी संडे की शुरुआत की। हमने इस मुहिम को एक नये तेवर और प्रारूप में आगे बढ़ाने का संकल्प किया और हर अंक के साथ आप पाठकों का हमें भरपूर प्यार मिला। आज इस संकल्प को देखते-देखते एक साल पूरे हो चुके हैं। यह आधी आबादी का जश्न है। जो आप पाठकों के बिना अधूरा है।

अभी देश भर में आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट की धूम है और हम सब देख ही रहे हैं कि आईपीएल ने क्रिकेट को एक अलग ही आयाम देने का काम किया है और आज कई युवा खिलाड़ियों को इसके जरिए पहचान, प्रसिद्धि और पैसा मिल रहा है। आईपीएल की यह चर्चा इसलिए भी ज़रूरी है क्योंकि अभी तक इसमें सिर्फ़ पुरुष खिलाड़ी ही भाग ले सकते थे। लेकिन, बीते दो साल से महिलाओं के लिए भी आईपीएल की शुरुआत हो गई है। इस पहल से न सिर्फ़ महिला क्रिकेट की दिशा और दशा बदल रही है बल्कि कई युवतियों को भी खेल के जरिए अपने सपनों को पंख देने का अवसर मिल रहा है। आधी आबादी को लेकर लगातार चर्चा करते रहना बेहद आवश्यक है ताकि समाज के हर हिस्से में बदलाव आ सके। लंका पर चढ़ाई के लिए जब राम जी की सेना सागर पर पुल बना रही थी तो उस निर्माण में एक नन्हीं गिलहरी भी रेत कण छिड़ककर अपना योगदान दे रही थी। आधी आबादी के सर्वांगीण विकास के इस पुल में हमारी कोशिश उसी नन्हीं गिलहरी की तरह है। यह सच है कि संसाधनों की थोड़ी कमी रहती है लेकिन इसके बावजूद जब देश की कई छोटी-बड़ी पत्रिकाएँ बंद हो गईं और कुछ बंद होने के कगार पर हैं हम अच्छी और पाक नीयत से आधी आबादी संडे के जरिए अपनी मुहिम को आगे बढ़ा पा रहे हैं। इसके जरिए हमें किसी भी तरह का आर्थिक लाभ नहीं मिलता लेकिन एक संतुष्टि अवश्य मिलती है और हम आपको यह भरोसा देते हैं कि आधी आबादी के हक और अधिकार की बात हमेशा करते रहेंगे।

देश में इन दिनों चुनाव का मौसम है। ऐसे में मैं आप सबसे एक बार फिर से यही कहना चाहूँगा कि अपने वोट की ताकत को पहचानें और मतदान अवश्य करें। आज जिस तरह से नेताओं पर यौन शोषण के आरोप लग रहे हैं यह भी बेहद निराशाजनक है। हमें इस भीड़ में छुपे हर उस भेड़िये को पहचानना है जो आधी आबादी का शोषण करते हैं और अपने वोट से उन्हें ही चुनना है जो आधी आबादी के सम्मान और गौरव को सबसे ऊपर रखते हैं, जो आधी आबादी की सुरक्षा की बात करते हैं। उनके आत्मनिर्भर होने की बात करते हैं।

उम्मीद है आधी आबादी संडे की हमारी यह पहल आपके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लेकर आ रही होगी। मैं अपने नियमित स्तम्भ के जरिए आपसे संवाद करता रहूँगा। आप मुझे सीधे मेल भी कर सकते हैं। हमारा मेल आईडी है- aadhiaabadisunday@gmail.com

प्रज्वल रेवन्ना शर्म करो, चुल्लू भर पानी में डूब मरो!

एक बेशर्म चरसी सजायाफ्ता एक्टर है-नाम है संजय दत्त। उसकी एक बायोपिक भी आई थी-'संजू'। जिसमें रणवीर कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उस फिल्म में एक सीन है, जिसमें वो बड़े गर्व से बताता है कि उसने अभी तक 400 महिलाओं के साथ संबंध बनाए। जैसे अधिक से अधिक महिलाओं से संबंध बनाना कोई गर्व की बात हो? आज उस चरसी एक्टर की याद इसलिए आई क्योंकि अश्लील टेप मामले में जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। कहा जा रहा है कि उसने 2500 से अधिक महिलाओं के साथ बंदूक की नोक पर न सिर्फ संबंध बनाए बल्कि अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल भी करता रहा। 26 अप्रैल को चुनाव के बाद से यह कुख्यात कुकर्मी विदेश फ़रार हो चुका है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी भी रेवन्ना को हाथ जोड़े दिखे थे जो तस्वीर अब सोशल मीडिया पर खूब वाइरल हो रही है। अगर यह टेप की ख़बर चुनाव से पहले आ जाती तो निश्चित ही मोदी उसके साथ मंच साझा नहीं करते। बता दें कि पूर्व कर्नाटक मंत्री एचडी रेवन्ना और उनके बेटे एवं हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ नए मामले दर्ज किए गए हैं। युवक ने आरोप लगाया कि प्रज्वल ने उसकी मां को वीडियो वायरल होने के बाद अपहरण कर लिया था। एचडी रेवन्ना ने शुक्रवार को बंगलूरू सत्र अदालत में अपनी जमानत याचिका वापस ले ली। दरअसल, एसआईटी ने अदालत को बताया कि उनके खिलाफ दर्ज मामले में कोई गैर-जमानती आरोप नहीं हैं।

■ हीरेंद्र झा

इससे पहले इस मामले में प्रज्वल के खिलाफ कर्नाटक पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मामला दर्ज किया था। प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं। एएनआई के अनुसार, उन्हें एफआईआर में एकमात्र आरोपी के तौर पर नामित किया गया है। एसआईटी की टीम ने गुरुवार को मजिस्ट्रेट की अदालत में एफआईआर सौंपी। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसमें धारा 376(2)(एन), 506, 354ए(1)(ii), 354(बी) एवं 354(सी) और आईटी अधिनियम की धाराएं भी शामिल हैं।

आरोप में अगर सच्चाई है तो साफ़ समझा जा सकता है कि रेवन्ना एक अमीर बाप के बिगड़ैल औलाद हैं। ऐसे लोग महिलाओं को अपने पैर की जूती समझते हैं और जब चाहे उन्हें रौंदने के फिराक में रहते हैं। ऐसे लोगों को शर्म भी नहीं आती। इन्हें तो चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।

सेक्स स्कैंडल में फंसे जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बारे में विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वे डिप्लोमेटिक पासपोर्ट के जरिए जर्मनी गए, न कि राजनैतिक अनुमति लेकर। डिप्लोमेटिक पासपोर्ट इतना पावरफुल है कि ज्यादातर देशों में इसके साथ वीजा की जरूरत नहीं। इसके अलावा बहुत से ऐसे फायदे मिलते हैं, जो सामान्य पासपोर्ट-होल्डर को नहीं मिल सकते। जाहिर है इससे पता चलता है कि रेवन्ना कितना ताकतवर है और ताकत के नशे में चूर होकर उसने जो गुनाह किया है उसके लिए उसे कभी माफी नहीं दी जा सकती।

इंटरव्यू

मैं जीवन में कभी ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं रही: मनीषा कोइराला

मनीषा कोइराला इन दिनों संजय लीला भंसाली की भव्य सीरीज 'हीरामंडी' को लेकर खबरो में हैं, जिसमें हुजूर मल्लिका जान का जानदार किरदार उन्होंने निभाया है। मनीषा ने कहा - उन्हें भंसाली की 'हम दिल दे चुके सनम' और 'देवदास' भी ऑफर हुई थी। कमाल की बात ये है कि मनीषा भंसाली की डेब्यू फिल्म 'खामोशी' की भी हीरोइन थीं लेकिन उसके बाद वह कभी उनकी फिल्मों में नजर नहीं आईं। उपमा सिंह से उनकी यह बातचीत के प्रमुख अंश –

सवाल : भंसाली अपने एक्टर्स को दोहराते रहे हैं, लेकिन खामोशी के बाद आप उनके साथ कभी क्यों नहीं दिखीं?

मनीषा : मैं हम दिल दे चुके सनम और देवदास करने वाली थी लेकिन कुछ चीजें हो गईं। कुछ डेट्स इधर-उधर हो गईं तो मैं वो फिल्में नहीं कर पाई। मेरा मानना है कि जब जो होना होता है, वो अपने आप आ जाता है। मैं जीवन में कभी बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षी या चीजों के पीछे भागने वाली नहीं रही हूं। मैं हमेशा अपनी रफ्तार से काम करती रही हूं। बाकी ऊपरवाले की कृपा से मुझे अच्छा काम मिलता रहा है। जब हीरामंडी भी मुझे ऑफर हुई थी, मैं नेपाल में अपनी दुनिया में खेती-वेती करके खुश थी तो जब कुछ होना होता है, वो आ जाता है। ये है कि जब काम आता है, तब मैं अपना दो सौ पर्सेंट देती हूं। मुझे खुशी है कि मैंने संजय की खामोशी में काम किया, जो बहुत ही सिंपल, पोएटिक और सेंसिटिव फिल्म थी, उसमें भव्यता या चमक-दमक नहीं थी, वहीं अब हीरामंडी जैसी सीरीज की, जिसमें हर चीज इतनी भव्य, खूबसूरत और विशाल है।

सवाल : 'हीरामंडी' में आजादी के पहले की तवायफ मल्लिका जान के रूप में ढलने के लिए कैसी तैयारी की आपने?

मनीषा : मल्लिका जान के लहज़े, बोलचाल के लिए डिक्शन कोच मुनीरा जी ने मेरी बहुत मदद की। वहीं, जहां तक बॉडी लैंग्वेज की है, मेरी दादी-मेरी मां सब क्लासिकल डांसर थीं। हमारे घर में बहुत बड़ी बैठकें होती थीं, जिसमें काफी परफॉर्मेंसेज होती थीं तो मैं क्लासिकल डांस तीन साल की उम्र से जानती थी लेकिन जब मैंने बॉलिवुड डांस वगैरह शुरू किया तो उसे छोड़ना पड़ा तो उस चाल-ढाल को पकड़ने के लिए मैंने अपनी दादी और मम्मी को याद रखा कि कैसे उनकी चाल में एक नजाकत रहती है, उनकी बातों में एक शालीनता, एक कलात्मकता रहती है। वहीं, सितारा बुआ, बिरजू महाराज जैसे महान क्लासिकल डांसर हमारे घर आते रहते थे। मैं उनको देखकर बड़ी हुई हूं तो वे अनुभव भी काम आए।

सवाल : असल जीवन में आप अपने इस किरदार से कितनी अलग हैं?

मनीषा : मैं खुद तो टॉम बॉयश हूं, मैं कभी भी सीधे नहीं बैठती तो मैंने अपने अंदाज को भूलकर खुद को मल्लिका जान के किरदार में ढाला। बाकी, मल्लिका के जो आंतरिक इमोशन थे, उसके लिए मेरे पास संजय जैसे बेहतरीन निर्देशक थे। वह बहुत अच्छे से किरदार की इनसिक्योरिटी, दर्द वगैरह को समझाते हैं जिससे काम करना आसान हो जाता है।'

सवाल : क्या आपको कभी औरत होने के नाते कमतर महसूस कराया गया है?

मनीषा : हम सभी औरतों ने परिवार में, जिंदगी में, काम पर, कभी न कभी इन चीजों का सामना किया है। भगवान की दया से अगर आपके पैरेंट्स अच्छे हैं तो वे आपको अपने रास्ते पर डटे रहने, खुद में भरोसा करने और अपने हक की बात करने के लिए प्रेरित करते हैं। वरना, हम औरतों को हर चीज के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। अपनी पहचान बनाने के लिए, अपनी बात रखने या ना कहने कि हम टाइपकास्ट नहीं होना चाहते या हम सिर्फ औरत होने के कारण सेकंड ग्रेड सिटिजन नहीं हैं, इसके लिए भी हमें स्ट्रगल करना पड़ता है और यह संघर्ष आगे भी रहेगा, जब तक हमें बराबरी नहीं मिलती। मुझे लगता है कि यह एक लड़ाई है जो लड़ते रहना है, लड़ते रहना है, जब तक कि हम उसे हासिल ना कर लें।

सवाल : रिलेशनशीप को लेकर अपने अनुभव के बारे में क्या कहेंगी?

मनीषा : मैं शादी करना चाहती थी लेकिन जब मैं रिश्ते में आई तो मुझे पता चला कि मैं इसके लिए नहीं बनी हूं। तलाक के पीछे किसी की गलती नहीं है बल्कि मैं ही खुद को इसके लिए जिम्मेदार मानती हूं। मुझे लगता है कि शादी को लेकर मैंने जल्दबाजी की थी शायद इसी वजह से रिश्ता टूटा था।

हलचल

अयोध्या पहुंची राष्ट्रपति मुर्मू ने किए रामलला के दर्शन, सरयू में आरती में भी हुईं शामिल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या के दौरे पर थीं। जहां उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और फिर सरयू की महाआरती में शामिल हुईं। शाम को राष्ट्रपति ने राम मंदिर में रामलला के दरबार मे हाजिरी लगाई और उन्हें दंडवत प्रणाम किया। जिसका वीडियो व तस्वीरें श्रीराम मंदिर ट्रस्ट ने जारी की। राष्ट्रपति ने रामलला की आरती उतारीं और उनको दंडवत प्रणाम किया। रामलला का दर्शन करने के बाद वह बेहद खुश नजर आईं। यह पहला मौका है जब राष्ट्रपति अयोध्या आई हुई हैं। रामलला के दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दर्शन-पूजन के दौरान कई बार भावुक भी हो गईं। साथ ही उन्होंने नव्य मंदिर में विराजमान रामलला को गुप्त दान भी दिया। रामलला के दर्शन के बाद उन्होंने तस्वीर भी खिंचवाई। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहीं। जानकारों ने कहा है कि राष्ट्रपति मुर्मू के अयोध्या यात्रा से एक बार फिर से राममंदिर को सुर्खियों में लाया गया है और इसलिए यह यात्रा प्रस्तावित थी। राष्ट्रपति चाहती तो चुनाव के बाद राममंदिर दर्शन के लिए जा सकती थीं लेकिन उन्होंने चुनाव के बीच ही यह यात्रा करके एक संदेश देने का काम किया है।

लालू का खेल खराब करेंगी मायावती! बिहार लोकसभा चुनाव में बसपा की एंट्री, 11 उम्मीदवारों की सूची जारी

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उम्मीदवारों के नामों की एक और सूची जारी कर दी। इस लिस्ट में पार्टी ने बिहार के लिए और 11 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। इससे पहले बसपा ने बिहार की 19 लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। बता दें कि बसपा ने बिहार में सभी 40 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र कहते हैं कि मायावती के उम्मीदवार सबसे ज्यादा लालू यादव की पार्टी को नुकसान पहुंचाएंगे। मायावती का बेस वोट हमेशा दलित रहे हैं। दो चरण के चुनाव हो चुके हैं। एनडीए को उतना खतरा नहीं है। जितना लालू यादव को है। यदि बक्सर में बीजेपी और स्थानीय उम्मीदवार आईपीएस आनंद की लड़ाई में आरजेडी उम्मीदवार सुधाकर सिंह को सफलता मिलती। मायावती के उम्मीदवार उतारने से अब उसकी संभावना कम है। वोट डिवाइड होने के बाद सुधाकर की सफलता निश्चित नहीं है। उससे पूर्व ये अनुमान लगाया जा रहा था कि कहीं सुधाकर सिंह बाजी न मार लें।

गुजरात में सुनीता केजरीवाल ने रोड शो करके AAP की जीत के लिए लगाया जोर

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने गुजरात में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो करके जिताने की अपील की। केजरीवाल की अनुपस्थिति में प्रचार की कमान संभाल रही सुनीता केजरीवाल ने भावनगर में इंडिया अलांयस के उम्मीदवार उमेश मकवाणा के समर्थन में रोड किया। इस दौरान सुनीता केजरीवाल ने लोगों से कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जबरन झूठे मामले में फंसाकर जेल भेजा गया है। उन्हें अभी तक किसी भी कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल जी को दोषी नहीं पाया है। फिर भी केजरीवाल को जेल में रखा गया है। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि केजरीवाल सच्चे लड़ाके हैं, उन्हें कोई नहीं झुका सकता है। उन्होंने अपने रोड शो में कहा कि देश तानाशाही की ओर जा रहा है, इस देश को बचाएं, लोकतंत्र को बचाएं। सुनीता केजरीवाल के साथ गुजरात के दौरे पर पहुंचे पार्टी के नेता और राज्य सभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि भरूच और भावनगर इन दोनों लोकसभाओं में बहुत अच्छा माहौल है। बीजेपी गुजरात में अति आत्मविश्वास में है, लेकिन गुजरात की जनता बीजेपी के अति आत्मविश्वास को तोड़ देगी।

राज्यपाल पर लगे यौन शोषण के आरोप, ममता बनर्जी ने साधा निशाना

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉक्टर सी वी आनंद बोस पर एक महिला से कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह घटना हृदय विदारक है। उन्होंने सीधे तौर पर राज्यपाल पर ऐसा करने का आरोप लगाया है और कहा कि लड़की डरी हुई है। दरअसल, राज भवन में अस्थाई तौर पर काम करने वाली एक महिला कर्मचारियों ने गुरुवार (2 मई) की रात लाल बाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय के हेयर स्ट्रेट थाने में जाकर राज्यपाल के खिलाफ यौन उत्पीड़न की लिखित शिकायत दर्ज करवाई। गवर्नर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बेबुनियाद आरोप बताया और कहा कि वह डरने वाले नहीं है। शुक्रवार (3 मई) को पश्चिम बंगाल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "वह (युवती) राजभवन में नौकरी करती है। राज्यपाल ने उसके साथ क्या व्यवहार किया। मेरे पास एक नहीं हजारों ऐसी घटनाएं आई हैं, लेकिन मैंने कभी कुछ नहीं कहा। हालांकि यह घटना मेरे लिए हृदय विदारक है।" इसके बाद सीधे तौर पर राज्यपाल पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को सच बताते हुए ममता ने कहा कि राज्यपाल ने अपने यहां काम करने वाली युवती के साथ एक नहीं दो बार यौन उत्पीड़न किया। ममता ने कहा, "मैंने उसका (लड़की) रोना देखा है, मेरे पास उसका वीडियो आया है। कल युवती ने बाहर निकलने के दौरान रोते हुए कहा है कि अब मैं राजभवन में नौकरी करने नहीं जाऊंगी। वह डर रही है, कभी भी उसे बुलाकर ख़राब व्यवहार कर सकते हैं, अपमान कर सकते हैं।

हर साल 25 लड़कियों को चुनता है किम जोंग उन; 'प्लेजर स्क्वाड' में शामिल एक लड़की ने किया सनसनीखेज खुलासा

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को लेकर एक सनसनीखोज खुलासा हुआ है। उत्तर कोरिया से भागी एक लड़की ने खुलासा किया है कि तानाशाह किम हर साल 25 कुवांरी लड़कियों को हर साल इस प्लेजर स्क्वाड के लिए चुनता है। ये लड़कियों खूबसूरती और वफादारी के अनुसार चुनी जाती हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि तानाशाह किम के शासन में उत्तर कोरिया की जनता त्रासदी भरी जिंदगी जीने पर मजबूर हैं। वहां की जनता को दो-जून की रोटी भी नसीब नहीं हो पाती। वहीं, तानाशाह और उसका पूरा परिवार ऐश-ओ-आराम भरी जिंदगी जीता है। उत्तर कोरिया से छिपकर भागी एक लड़की येओनमी पार्क ने इस बारे में जानकारी देते हुए दावा किया कि वो भी इस प्लेजर स्क्वाड की कभी हिस्सा रह चुकी है। लड़की ने बताया कि इस स्क्वाड को तीन ग्रुप में बांटा जाता है। एक ग्रुप को बॉडी मसाज की ट्रेनिंग दी जाती है। दूसरे ग्रुप को गाना-डांस की ट्रेनिंग दी जाती है। वहीं, तीसरे ग्रुप को किम और उनके अधिकारियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए तैयार किया जाता है। सबसे खूबसूरत लड़कियों को किम की सेवा के लिए चुना जाता है। वहीं, कम खूबसूरत लड़कियों को दूसरे अधिकारियों के लिए चुना जाता है। बता दें कि किम जोंग उन के पिता किम जोंग उन-II के शासन में यानी 1070 के दशक से इस 'प्लेजर स्क्वाड' की रूपरेखा रखी गई थी।

'लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ' बोलने वाली प्रियंका के लिए घर की लड़ाई ही मुश्किल

▪ आशुतोष झा

वाराणसी जहां आखिरी चरण में 1 जून को मतदान है उसके लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का ऐलान चुनाव की घोषणा से भी पहले कर दिया था। कांग्रेस में रायबरेली ऐसी ही एक सीट है जिसका प्रतिनिधि कम से कम पार्टी के अंदर प्रधानमंत्री जैसा ही रुतबा रखता है। यहां बहुत लंबे वक्त से सोनिया गांधी सांसद रही हैं।

क्या कांग्रेस से हुई बड़ी चूक

अमेठी रायबरेली का रुतबा तो हासिल नहीं कर सका लेकिन पार्टी में इस सीट का भी बहुत महत्व रहा है। यहीं से इस कहानी की शुरूआत भी होती है कि आखिर नामांकन के अंतिम दिन तक इन दोनों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार की घोषणा का इंतजार क्यों करना पड़ा? चुनाव कई अन्य बातों के साथ साथ मनोविज्ञान का भी खेल है और कांग्रेस चाहे कोई भी तर्क दे, विमर्श की इस लड़ाई में उसने बहुत बड़ी चूक कर दी है। भाजपा ने शुरूआत में 400 पार का नारा देकर चर्चा की दिशा तय कर दी थी।

कांग्रेस ने प्रियंका को नजरअंदाज किया

दो चरणों में मतदान में थोडी कमी दिखी तो कांग्रेस और विपक्ष की ओर से यह माहौल बनाने की कोशिश शुरू हुई कि विपक्षी दमदार वापसी कर रहा है। लेकिन रायबरेली और अमेठी पर फैसले और देरी ने कांग्रेस को उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां कोई यह नहीं कह सकता है कि कांग्रेस मे विश्वास का संचार हो रहा है। बल्कि सवाल तो यह पूछा जाने लगा है कि क्या डर है कि महिला आरक्षण को इसी बार से लागू करने की दलील दे रही कांग्रेस ने घर की ही लड़की, प्रियंका को नजरअंदाज कर दिया है।

प्रियंका घर में अपने अधिकार की लड़ाई नहीं लड़ पा रही

राजनीति को दूर से देखने वाला एक सामान्य दर्शक भी कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी वाड्रा के हावभाव देखकर कह सकता है कि वह चुनाव लड़ना चाहती हैं। लेकिन पार्टी ने उन्हें चुनाव प्रचार तक बांधकर रख दिया है। क्या कारण है कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा देने वाली प्रियंका खुद घर में अपने अधिकार की लड़ाई नहीं लड़ पा रही हैं?

राहुल रायबरेली से उतरे और प्रियंका दौड़ से बाहर

अमेठी की घोषणा जाहिर तौर पर दूसरे चरण मे वायनाड चुनाव के बाद ही होनी थी जहां से राहुल गांधी लड़ रहे थे ताकि इसका प्रतिकूल असर वहां नहीं हो। अमेठी उन्होंने छोड़ दी। क्या संदेश गया यह बताने की जरूरत नहीं। लेकिन उससे ज्यादा रोचक यह है कि वह रायबरेली से उतरे और प्रियंका दौड़ से बाहर हो गईं। कांग्रेस की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि दोनों के चुनाव लड़ने पर परिवारवाद का आरोप ज्यादा चस्पा होता, तो क्या अभी कम है।

प्रियंका के लिए अब क्या है विकल्प?

कहा जा रहा है कि रायबरेली की परिवार की परंपरागत सीट से चुनाव जीतने के बाद राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट छोड़ देंगे। ऐसे में वायनाड सीट पर उपचुनाव होगा जिसमें प्रियंका गांधी मैदान में उतरकर लोकसभा पहुंचने का विकल्प खुला हुआ है।

सर्राफा बाज़ार

22 कैरेट सोना	चांदी
₹66,630	₹86,500
प्रति 10 ग्राम	प्रति किलो

प्रज्वल रेवन्ना का केस बना दुनिया का सबसे बड़ा सेक्स स्कैंडल, महिलाओं की आपबीती पढ़कर कांप जाएंगे आप!

▪ आधी आबादी डेस्क

देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और JDS नेता प्रज्वल रेवन्ना के कथित सेक्स स्कैंडल के लगातार कई विडियो सामने आने से कर्नाटक समेत देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। पुलिस में दी गई शिकायत में पीड़िताओं के बयान हैं, जो प्रज्वल की हैवानियत बयां कर रहे हैं। कुछ लोग प्रज्वल की इस हरकत को लेकर उन्हें मानसिक बीमार बता रहे हैं तो कुछ सेक्स अडेक्टिव बता रहे हैं। महिला आयोग ने इस घटना को दुनिया का सबसे बड़ा सेक्स स्कैंडल करार दिया है। बताया जा रहा है कि अधिकांश वीडियो में महिलाएं प्रज्वल से उन्हें छोड़ने की गुहार लगा रही हैं। वह गिड़गिड़ा रही हैं लेकिन वह उनके साथ जबरदस्ती कर रहा है। इतना ही नहीं वह खुद इस यौन शोषण का वीडियो बनाते हुए भी कई क्लिप में नजर आ रहा है। प्रज्वल रेवन्ना के 1 हजार से ज्यादा सेक्स वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इसी बीच कर्नाटक के होलेनरसीपुरा शहर की एक 47 वर्षीय महिला ने रविवार को पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना और हसन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

महिला ने बयां की आपबीती

महिला ने पुलिस को बताया कि वह रेवन्ना की पत्नी भवानी की करीबी रिश्तेदार है। उसका भी प्रज्वल ने यौन उत्पीड़न किया है। महिला ने कहा कि उसे रेवन्ना ने 2011 में घरेलू सहायक के रूप में काम करने के लिए बुलाया था। 2015 में, रेवन्ना ने उन्हें होलेनारसीपुर के एक छात्रावास में रसोइये की नौकरी दिलाने में मदद की। वह 2019 में अपने बड़े बेटे की शादी के दौरान रेवन्ना के घर फिर से शामिल हो गईं।

'मेरे कपड़े उतार देता था प्रज्वल'

महिला ने बताया, 'घर के 6 अन्य घरेलू सहायक थे। उन्होंने कहा कि वे प्रज्वल से डरते हैं। पुरुष कर्मचारी भी हमें प्रज्वल रेवन्ना से सावधान रहने के लिए कहते थे। जब भी उनकी पत्नी भवानी बाहर होती थी, रेवन्ना बार-बार मुझे अनुचित तरीके से छूते थे, मेरे कपड़े उतार देते थे और मेरा यौन उत्पीड़न करते थे। जब मैं रसोई में काम कर रही होती थी तो प्रज्वल मुझे पीछे से आकर पकड़ लेता था और मेरे साथ अश्लील हरकतें करता था।'

'बेटी से करवाता था मालिश'

प्रज्वल के खिलाफ शिकायत में महिला ने बताया, 'प्रज्वल अन्य कर्मचारियों से मेरी बेटी को तेल की मालिश करने के लिए लाने के लिए कहता था। उसे जबरन कमरे में बंद करके मालिश करता था और अपना प्राइवेट पार्ट छूने को कहता था। प्रज्वल मेरी बेटी को वीडियो कॉल करता था और अश्लील तरीके से बात करता था। मेरी बेटी ने प्रज्वल का नंबर ब्लॉक कर दिया। जब बात मेरी बेटी की आई तो मैंने रेवन्ना के घर की नौकरी छोड़ दी।'

ऐसे सामने आया मामला

महिला ने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान, प्रज्वल के अश्लील वीडियो सामने आए और उसके पति ने उस पर संदेह करना शुरू कर दिया। महिला ने पुलिस से उसे सुरक्षा प्रदान करने और रेवन्ना और प्रज्वल के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इधर कर्नाटक महिला आयोग ने अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने बताया कि किस तरह उनके सामने पूरा प्रकरण आया।

'इतनी अश्लीलता कि बयां नहीं कर सकती'

नागलक्ष्मी ने कहा, 'मुझे प्रज्वल के खिलाफ शिकायत के साथ एक पेन ड्राइव मिली। जब मैंने इस पेन ड्राइव को लगाकर वीडियो देखा तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए। प्रज्वल अलग-अलग महिलाओं का यौन शोषण करते नजर आ रहा था। वीडिया में महिलाएं खुद को छोड़ने की उससे गुहार लगा रही थीं। ये वीडियो इतने आपत्तिजनक हैं कि मैं इन्हें देख नहीं सकी। मैं शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती। आप समझ सकते हैं कि जब मैं उसे देख नहीं पाई, बयां नहीं कर सकती, उस सीन को सोचकर मेरे रोंगटे खड़े होते हैं तो उन महिलाओं पर क्या बीती होगी। मैंने तत्काल सीएम को पूरे प्रकरण से अवगत कराया।'

प्रज्वल ने किया साजिश का दावा

कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने मामले में SIT जांच के आदेश दिए हैं। इस बीच पता चला है कि रेवन्ना जर्मनी भाग गए हैं। कर्नाटक के हासन से सांसद रेवन्ना इसी सीट से लोकसभा चुनाव JDS के कैंडिडेट हैं, जहां 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। आरोप है कि रेवन्ना एक-दो नहीं, बल्कि सैकड़ों महिलाओं के यौन शोषण में शामिल हैं और उन्होंने इसकी विडियो रेकॉर्डिंग भी की है। इन विडियो में वह नजर आ रहे हैं। हालांकि देश छोड़ने से पहले रेवन्ना ने दावा किया कि यह उनके खिलाफ एक साजिश है।

ओटीटी के बाजार में सज गई भंसाली की 'हीरामंडी' भव्यता में अव्वल पर चमक पड़ी फीकी

▪ प्रियंका सिंह

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर रही है। इसे देश की सबसे महंगी वेब सीरीज कहा जा रहा है।

एक समय था जब देश में तवायफों का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता था। बड़े-बड़े रसूकदार लोग, अधिकारी लोग तवायफों की महफिल में जाते थे। एक विरासत थी पूरी। साम्राज्य था। ऐसा ही एक साम्राज्य था हीरामंडी। ब्रिटिश राज में लाहौर में रहने वाली तवायफों का साम्राज्य। लेकिन जब सह हद से ज्यादा मिल जाए तो बात बिगड़ने लग जाती है। इज्जत, शोहरत, दौलत और जायदाद ने इन तवायफों को सहका दिया। दौलत की आड़ में रिश्ते शर्मिंदा हुए। कुछ तो रौंद दिए गए। अरमान दबा दिए गए। निचोड़ दिए गए। ऐश-ओ-आराम का अंजाम बुरा होता है। लेकिन तवायफ भी तो इंसान है। उनकी भी इंसानियत जागी। हीरे-जवाहरात की चकाचौंध से जब नजर हटी तो सामने कुछ जिम्मेदारियां नजर आईं और इस फन में भी तवायफें खरी साबित हुईं। इन्हीं तवायफों की कहानी पर संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज आई है।

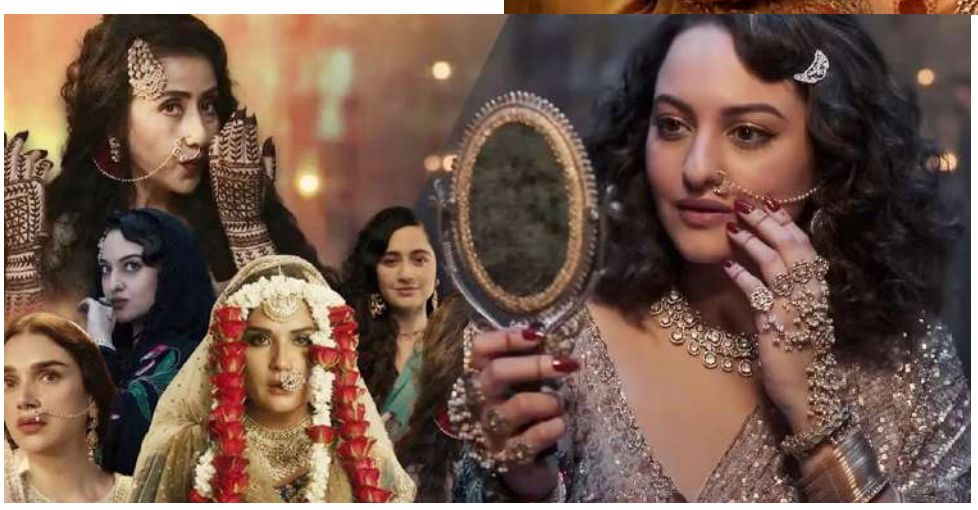

क्या है हीरामंडी की कहानी?

हीरामंडी की कहानी इस इलाके की दो बड़ी तवायफ मल्लिका जान और फरादीन की दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की दुश्मनी हवेली को लेकर है। दुश्मनी होती ही इन सब चीजों के लिए है। जबकी दोनों के बीच पारिवारिक रिश्ता है। दोनों की इस जंग में खूब हलचल मचती है। आपस में तवायफें टकराती हैं। नवाबों के लिए लड़ती हैं। जिसे नवाब मिला उसे कोठियां और जिसके पास कोठियां उसकी ज्यादा इज्जत। यहां हीरामंडी में लड़ाई चल रही थी इस बात की कि कौन तवायफ सबसे आगे है और उधर हीरामंडी के बाहर सिरफिरे क्रांतिकारी देश को आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे थे। जिन अंग्रेजों के साथ वे हमबिस्तर होती थीं उन्हीं के खिलाफ तवायफों ने बगावत छेड़ दी। इसी पर है संजय लीला भंसाली की 8 एपिसोड की वेब सीरीज।

कैसा रहा भंसाली का ओटीटी डेब्यू?

बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद अब उन्होंने बहुप्रतीक्षित 'हीरामंडी' के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पदार्पण कर दिया है। यहां पर भी यथार्थ से दूर सपनीली रंगीन दुनिया को वह गढ़ने में कामयाब रहे हैं। हीरामंडी एक अलग संसार में ले जाने की कोशिश करती है। यह वह दुनिया है, जहां तवायफों के पात्र सशक्त हैं। हर तवायफ का एक साहब होता है। उनके साथ ही संबंध होते हैं। हालांकि, स्क्रीनप्ले में कई कमियां खटकती हैं। मसलन लाहौर का वह दौर उर्दू का था, जहां शायरी की भरमार थी और जुबान में मिठास होती थी। वह जुबान और मिठास की कमी यहां पर खटकती है। कहानी फ्लैशबैक से कब वर्तमान में आती है, इसका बहुत ध्यान रखना होता है। यहां पर सभी पात्रों के साथ वह पूरी तरह न्याय नहीं कर पाए हैं। लज्जो (रिचा चड्ढा) कहां से आती है। कुछ अता-पता नहीं चलता। मल्लिका लगातार वहीदा को अपमानित करती हैं। अपमान से तिलमिलाई वहीदा बदले की फिराक में है, लेकिन कोई धमाका करने में अक्षम नजर आती है। उसकी बेटी का ट्रैक भी अधूरा है। अध्ययन सुमन के किरदार से जुड़ा रहस्योद्घाटन कोई घुमावदार मोड़ कहानी में नहीं लाता है। हीरामंडी का अखबार कहे जाने वाला उस्ताद (इंद्रेश मलिक) फरीदन के लिए कई लड़कियां बहुत आसानी से कोठे पर लाता है। ऐसे कई दृश्य हैं, जिनसे प्रतीत होता है कि शानो-शौकत से रहने वाली तवायफों की स्याह जिंदगी में संजय पूरी तरह उतर नहीं पाए हैं। ताजदार को छोड़कर बाकी सभी नवाबों के किरदार कमजोर नजर आते हैं, खास तौर पर फरदीन खान का।

सीरीज का नायाब हीरा मनीषा कोइराला और सोनाक्षी सिन्हा

बहरहाल, इस सीरीज का नायाब हीरा मनीषा कोइराला और सोनाक्षी सिन्हा हैं। मनीषा ने मल्लिकाजान के किरदार के मुताबिक खुद को ढाला और उच्चारण पर काम भी किया है। उन्हें अपनी अभिनय प्रतिभा के कई पहुलओं को दिखाने का मौका मिला है। सोनाक्षी को ग्रे किरदार निभाने का मौका मिला है। उसमें वह फबती हैं। दोनों के बीच आपसी तकरार के दृश्य रोचक हैं। मारक और चुटीले संवाद उन्हें जानदार बनाने में मददगार होते हैं। आलमजेब की भूमिका में शरमिन सहगल उस मासूमियत को नहीं छू पातीं, जो उनके पात्र की मांग भी है। ताहा शाह ने अपने किरदार को शिद्दत से आत्मसात किया है। अदिति, संजीदा शेख और सहायक भूमिकाओं में आए अन्य कलाकार भी अपने किरदार साथ न्याय करते दिखे हैं। प्रेम, ताकत, विश्वासघात, संघर्ष और अंततः स्वतंत्रता की गाथा में गूंथी गई हीरामंडी के संगीत के मामले में संजय थोड़ा चूक गए हैं।

नाम : हीरामंडी: द डायमंड बाजार

रेटिंग : ढाई स्टार

कलाकार : सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, शरमिन सहगल, संजीदा शेख, ताहा शाह, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन, फरीदा जलाल

निर्माता : निर्देशक और लेखक: संजय लीला संभाली

प्लेटफ़ॉर्म : नेटफ्लिक्स

आपका वोट है
आपकी ताकत,
मतदान अवश्य करें!

आधी आबादी
हर सन्डे वूमेन्स डे

पहला चरण – 19 अप्रैल
दूसरा चरण – 26 अप्रैल
तीसरा चरण – 7 मई
चौथा चरण – 13 मई
पांचवां चरण – 20 मई
छठा चरण – 25 मई
सातवां चरण – 1 जून

मतदान अवश्य करें!

प्रबंध संपादक: दिनेश के सिंह ❁ संपादक: हीरेन्द्र झा ❁ सलाहकार संपादक: चारुल मल्लिक, राजेश शर्मा, गीता सिंह ❁ डिज़ाइनर: मो. हसमतुल्लाह अंसारी

RNI-DELHIN/2013/51353